No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-20

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

□□111

एम.एच.डी.-20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

---

1. तेलुगु दलित कविता 'गौरैया' की समीक्षा कीजिए । *10*

2. दलित स्त्री चेतना के संदर्भ में 'माँ' कविता की व्याख्या कीजिए । *10*

3. पंजाबी कवि द्वारका भारती की कविता 'आज का एकलव्य' के आधार पर यह स्पष्ट कीजिए कि इसमें मिथक और आधुनिकता का समावेश किस रूप में किया गया है । *10*

4. 'अर्जुन डांगले की कहानी 'बुद्ध ही मरा पड़ा है' दलित समाज में उभरे अंतर्विरोधों को रेखांकित करती है ।' इस कथन की समीक्षा कीजिए । *10*

5. स्त्री चेतना के आधार पर उर्मिला पवार की कहानी 'कवच' का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए । *10*

6. कन्नड़ दलित कहानी 'मोची की गंगा' का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए । *10*

7. ' 'जीवन हमारा' आत्मकथा दलित स्त्री के तिहरे शोषण को उजागर करता है ।' विश्लेषण कीजिए । *10*

8. तेलुगु उपन्यास 'अस्पृश्य वसंत' की कथावस्तु की विवेचना कीजिए । *10*

9. पंजाबी **अथवा** मराठी दलित कहानी की विशेषताएँ बताइए । *10*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) दलपत चौहान की कविता 'व्यथा'

(ख) 'कवच' में स्त्री शोषण

(ग) शरण कुमार लिंबाले

(घ) 'मशालची' की कथावस्तु